तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि
रायपुर, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

11 कम अवधि के धान की फसल पककर तैयार, दीपावली...



12 बीहड़ जंगल-पहाड़ों के बीच विराजमान खोपलीपाठ ...



नवरात्रि विशेष



नवमी: सिद्धिदात्री

नवम नवरात्रि को देवी माता के मंडपों में सिद्धिदात्री देवी की आराधना होती है। सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। माता की यह शक्ति सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली है। मार्कंडेय पुराण के अनुसार अणिमा, महिमा, गरिमा, लांघना, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व यह आठ सिद्धियां है। ब्रह्मवैवर्तपुराण के श्रीकृष्ण जन्म खंड में यह संख्या अठारह बताई गई है। सिद्धिदात्री को ही जगत को चलाने वाली देवी कहा गया है। देवी पुराण के अनुसार महादेव ने इनकी कृपा से ही सिद्धियां प्राप्त की थी। इन्ही के कृपा से सदाशिव का आधा शरीर देवी का हुआ है। यह भी कथा है कि मधु-कैटभ के वध के लिए महादेवी ने महामाया फैलाई और उसके अनेक रुप हो गए। भ्रमित दानवों ने पूछा कि देवी जब तुम अकेली हो तो इतनी सारी शक्तियां कौन है। तब देवी ने कहा कि सब मेरी शक्तियां हैं। मुझसे अलग कुछ नहीं है। इतना कहते देवी ने तमाम शक्तियां समेट ली और केवल सिद्धिदात्री मां ही रह गई। ऐसे ही समुद्र मंथन के समय सिद्धिदात्री देवी ने ही असुओं को भ्रम में डाला था। सिद्धिदात्री मां कमला ही धन-धान्य की प्रतीक हैं। मां सिद्धिदात्री चार भुजाओं वाली है। कमल पुष्प इनका आसन है। देवी के दाहिने तरफ के नीचे वाले हाथ में चंद्र, उपर वाले हाथ में गदा और बांई तरफ के नीचे वाले हाथ में शंख और उपर वाले हाथ में कमल पुष्प है। जगत का कल्याण करने वाली यह देवी नवरात्री की अधिष्ठात्री भी है। सिद्धिदात्री मां के भक्तों की लौकिक-पारलौकिक सभी प्रकार की कामनाएं पूर्ण होती हैं।

सिद्धिदात्री माता का आराधना का मंत्र है-

सिद्धगंधर्वयक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

पैरी उद्गम भाठीगढ़ में आज से चार दिवसीय ऐतिहासिक देवदशहरा का होगा शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

जिले के मैनपुर तहसील मुख्यालय से 03 किमी दूर पैरी उद्गम ग्राम भाठीगढ़ में इस वर्ष भी पारंपरिक आस्था और धूमधाम के साथ चार दिवसीय ऐतिहासिक देवदशहरा महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है ग्राम विकास समिति, दशहरा उत्सव समिति तथा समस्त ग्रामवासियों के तत्वावधान में यह आयोजन 19 अक्टूबर से 22 अक्टूबर 2026 तक दशहरा मैदान भाठीगढ़ में संपन्न होगा। मिली जानकारी के अनुसार, चार दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक उत्सव में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृति कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे आदिवासी परंपरा अनुसार 19 अक्टूबर (सोमवार) देवदशहरा का शुभारंभ नवमी देवी यात्र एवं ध्वजा चढ़ाई कार्यक्रम के साथ किया जायेगा मुख्य आयोजन दशहरा पर्व 20 अक्टूबर (मंगलवार) को क्षेत्रभर के देवी देवताओ के भाठीगढ़ पहुंचने पर परंपरा अनुसार स्वागत सत्कार के बाद पारंपरिक शौर्य प्रदर्शन एवं रैनी मार गढ़ चढ़ाई कर देव दशहरा मनाई जायेगी। 21 अक्टूबर (बुधवार) गजभारन, देवी पूजन एवं देवी–देवताओं की ससम्मान विदाई 22 अक्टूबर (गुरुवार) को माता की गुढ़ी मे पहुंच देवी शांति एवं देवदशहरा का औपचारिक समापन।

- आज से शुरू होगा देवदशहरा महोत्सव, 'मोर गंगा नाच पाटएँ' रहेगा मुख्य आकर्षण

चार दिनों तक गूंजेगी छत्तीसगढ़ी संस्कृति की धमक

0समिति ने की शामिल होने की अपील

ग्राम विकास समिति एवं दशहरा उत्सव समिति भाठीगढ़ के पदाधिकारियों व सलाहकारों ने क्षेत्र के समस्त नागरिकों, श्रद्धालुओं एवं सभी से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार पहुँचकर इस ऐतिहासिक देवदशहरा महोत्सव का धर्मलाभ उठाएँ और कार्यक्रम को सफल बनाएँ।



मोर गंगा नाच पाटएँ बनेगी मुख्य आकर्षण

महोत्सव के दूसरे दिन यानी 20 अक्टूबर (मंगलवार) को रात्रि 9 बजे से लोकप्रिय छत्तीसगढ़ी सांस्कृति कार्यक्रम मोर गंगा नाच पाटएँ (ग्राम–डोकराभाठा, खैरागढ़) का भव्य आयोजन किया जाएगा। दशहरा मैदान में होने वाली इस रात्रिकालीन प्रस्तुति को लेकर ग्रामीणों व आसपास के अंचलवासियों में खासा उत्साह है।

नाराजगी : अंधेरे में डूबे ग्राम तौरेंगा पहुंचे ध्रुव, उपकरणों का लिया जायजा व सुधार के दिए निर्देश

तौरेंगा मे सौर ऊर्जा उपकरण बंद, विधायक जनक ने क्रेडा अफसरों को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव रविवार को अचानक सुबह 11 बजे नगर से 22 किमी दूर ग्राम तौरेंगा पहुंचे। ग्रामीणों ने उनका आत्मीयता से स्वागत किया। यहां विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। ज्ञात हो कि पिछले कई माह से इस गांव में सौर ऊर्जा उपकरण में खराबी आने के कारण गांव शाम होते ही अंधेरे मे डूब जाता है। घने जंगल में बसे होने के कारण जंगली जीव जंतुओ के साथ इन दिनों भालू और तेंदुए का आतंक है।

- ग्रामीणों ने बताया इन दिनों जंगली भालू और तेंदुआ के आतंक से ग्रामीणों में दहशत

ग्राम तौरेंगा के ग्रामीण पूर्व उपसरपंच अनुप कश्यप, सुकबती बाई, पुसउराम, फागुराम यादव एवं ग्रामीणों ने विधायक को बताया कई बार क्रेडा विभाग के अधिकारियो को सौर ऊर्जा मरम्मत की मांग कर चुके हैं। आजादी के 801 सालों बाद भी इस गांव में बिजली नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने बताया एक सौर ऊर्जा प्लांट में पिछले दिनों उपकरण लगाए गए हैं, लेकिन वह उपकरण लगाते ही खराब हो गए। जिसके कारण अब तक लाइट जल नहीं पाई। दूसरा उपकरण पहले से बंद पड़ा हुआ है। इसके कारण ग्रामीणों का काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने उपस्वास्थ्य केन्द्र में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही पेयजल व्यवस्था दूरुस्थ करने और स्कूल भवन की मांग की।

अफसरों की लापरवाही के चलते अंधेरा- ग्राम पंचायत के पूर्व उपसरपंच अनुप कश्यप और स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने बताया कि क्रेडा विभाग की लापरवाही के कारण सौर ऊर्जा प्लेट की समय पर मरम्मत नहीं हो पा रही है। देखरेख के अभाव और विभागीय सुस्ती के चलते ये उपकरण लंबे समय से कबाड़ में तब्दील होने की कगार पर हैं। संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते। कभी भी विभाग के अधिकारी इस क्षेत्रों का निरीक्षण नहीं करते, जिसके कारण ग्रामीणों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है।





विधायक ने क्रेडा अफसरों को व्यवस्था बहाल करने कहा

विधायक जनक ध्रुव ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए क्रेडा विभाग की कार्यशैली पर गहरी नराजगी जताई। उन्होंने मौके से ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन लगाकर फटकार लगाते हुए सौर ऊर्जा प्लेटों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। विद्युत व्यवस्था बहाल करने के सख्त निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि त्योहारों के इन दिनों में ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियो से कहा है जनता की बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांदाडोंगर देव दशहरा : पहाड़ी की चोटी पर होती है 84 गढ़ के देवी देवताओं की पूजा अर्चना

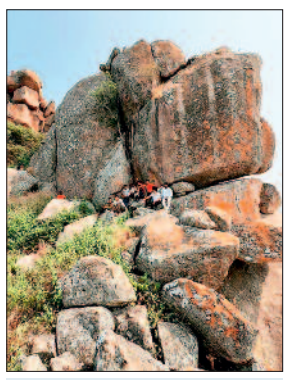


हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड अंतर्गत कांदाडोंगर पहाड़ी पर विराजीं मां कुलेश्वरी देवी एवं मां खम्बेश्वरी देवी, राजा कंचना धुर्वा स्थल क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक आस्था का केन्द्र है। मान्यता है कि माता के दरबार मे जो भी मुरादे मांगी जाती है मां उसे अवश्य पूरा करती है। कांदाडोंगर के विशाल पहाड़ी की चोटी पर मां का प्राचीन मंदिर गुफा नुमा है और यहां श्रध्दालु श्रध्दा के साथ मां के दरबार मे पहुंचते हैं। यहां दशहरा के दिन 84 गढ़ के देवी देवताओं का विशेष पूजा अर्चना की जाती है। सभी देवी-देवताओं के पहुंचने पर विशाल शोभा यात्रा निकाली जाती है। अनुमान है कि दशहरा पर्व में एक लाख से भी ज्यादा लोग यहां पहुंचते हैं।

तहसील मुख्यालय मैनपुर से लगभग 68 किमी दूर मैनपुर विकासखण्ड अंतर्गत क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कांदाडोंगर क्षेत्र के लोगों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। खासकर दशहरा के पर्व में यहां जन सैलाब उमड़ पड़ता है। इस पहाड़ी क्षेत्र में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं और देवी -देवताओं की पूजा अर्चना कर यहां दशहरा का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मैनपुर विकासखण्ड के ग्राम गुढ़ियारी स्थित कांदाडोंगर अपनी प्राकृतिक खूबसुरती के लिए प्रसिद्ध है। चारों तरफ घने जंगल, हराभरा क्षेत्र पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कांदाडोंगर की पहाड़ी में ऊंचे शिखर पर 84 गढ़ की देवी मां कुलेश्वरी का मंदिर है। वहीं इस पहाड़ पर देवशक्ति से उत्पन्न जलकुंड है, जहां का पानी कभी नही सूखता।

क्षेत्रीय मान्यता के अनुसार यहां त्रेतायुग में जब रावण ने माता सीता का हरण किया था तब भगवान श्रीराम और लक्ष्मण दोनों भाई माता सीता की खोज करते कांदाडोंगर आए थे। इस पर्वत में ऐसी कई गुफाएं है जिसे लोग लक्ष्मण झुला, हनुमान झुला एवं ऋषियों का तप स्थली के नाम से जानते हैं। बताया जाता है जब भगवान श्रीराम ने जब लंका विजय किया तो इसकी सूचना मिलते ही कांदाडोंगर में विराजमान देवी मां कुलेश्वरी, मां खम्बेश्वरी देवी एवं 84 गढ़ के देवी -देवता, ठाकुरदेव अपने -अपने ध्वज पताका के ⏭शेष पेज 11 पर



आदिवासी परंपरा अनुसार होती है दशहरा पर पूजा

दशहरा के पर्व पर यहां 84 गढ़ के देवी देवताओं के पहुंचने पर मां कुलेश्वरी, मां खम्बेश्वरी व राजा कंचनाधुर्वा और सभी देवी देवताओं का विधि विधान के साथ आदिवासी परंपरा अनुसार पूजा अर्चना किया जाता है। जहां क्षेत्र के बड़े जनप्रतिनिधि से लेकर ओडिशा और अन्य राज्यों के जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन लाखों की संख्या शामिल होते हैं। साथ ही देवी मां से क्षेत्र मे सुख शांति समृध्दि खुशहाली के लिए कामना की जाती है। कांदाडोंगर में पहाड़ी के नीचे भगवान राधा कृष्ण के साथ अन्य देवी देवताओं का मंदिर निर्माण किया गया है।

खबर संक्षेप

मतदाता सूची में एसएसआर हेतु भारत निर्वाचन आयोग ने मुख्य चुनाव अधिकारी को आदेश दिए : सिन्हा

रसेला। भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के प्रदेश सहसंयोजक मुरलीधर सिन्हा ने एक जानकारी में बताया कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली ने 15 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के मुख्य चुनाव अधिकारी को निर्देश दिया है। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त



पुनरीक्षण कार्य में बीएलओ घर-घर जाकर छूटे हुए पात्र मतदाता की पहचान करेंगे और मतदाता सूची में शामिल करेंगे । 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष पूरा करते हैं ऐसे लोगों को नाम फार्म 6 में भरकर आवश्यक दस्तावेज देकर मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं। यदि एसआईआर के बाद किसी की मृत्यु हुई तो फार्म 7 एवं फार्म 8 आंशिक त्रुटि या पता बदलने पर उपयोग कर सकते हैं । फार्म 6, 7 एवं 8 आपके बूथ पर नियुक्त बूथ लेबल अधिकारी से सम्पर्क करके ले सकते हैं। फार्म भरकर जमा कर सकते हैं यह वोटर्स अपडेट करने की प्रक्रिया है। पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदान केन्द्रों का युक्तिकरण / पुनर्गठन 2 नवम्बर, प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 12 नवम्बर तक, दावा और आपत्ति 12 नवम्बर से 11 दिसंबर तक, दावों और आपत्तियों का निराकरण 28 दिसम्बर 2026 तक होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 जनवरी 2027 को किया जाएगा। साथ ही यदि नया बूथ बनाना चाहते हैं जो 1200 से अधिक वोट या 2 किमी से ज्यादा दूरी पर बूथ है तो नया बूथ का प्रस्ताव 2 नवम्बर 2026 तक अनुविभागीय दण्डधिकारी या तहसीलदार को दिया जा सकता है ।

विधायक इंद्रकुमार के प्रयास से विकास कार्यों के लिए 4.24 करोड़ स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

विधायक इंद्रकुमार साहू के प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस को मजबूत करने के लिए 424.83 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। 'विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण' के तहत क्षेत्र की 32 ग्राम पंचायतों में सर्वसुविधायुक्त खाद्यान्न भंडारण भवनों का निर्माण किया जाएगा। विधायक श्री साहू ने कहा, हमारा संकल्प अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के हर गांव को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इन भवनों के बनने से न सिर्फ गरीबों के राशन का सुरक्षित भंडारण होगा,

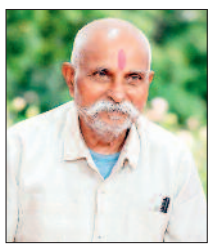


बल्कि विपरीत मौसम में भी खाद्यान्न खराब नहीं होगा।

क्षेत्र के इन सभी ग्राम पंचायतों में कार्य पूरी पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ शुरू कराए जा रहे हैं। उगेतरा 11.54 लाख, उपरवारा 13.50 लाख, उमरपोटी 13.50 लाख, केंद्री 13.50 लाख, गिरोला 13.50 लाख, गोतियारडीह 13.50 लाख, चंपारण 13.50 लाख, जुलूम 13.50 लाख, जौंदा 13.50 लाख, टीला 13.50 लाख, टेकारी 13.50 लाख, तूता 13.50... लाख, दादरझोरी 13.50 लाख, नवागांव क. 11.91 लाख, नायकबांधा 13.50... लाख, पिपरौद 13.50... लाख, पोंड़ 13.50... लाख, बकतरा 11.91 लाख, बिरोदा 13.50... लाख, मुंडरा 13.50... लाख, मोखेतरा 11.91 लाख, रवेली 13.50... लाख, कन्हेरा 13.50 लाख, खट्टी 13.50 लाख, खिलौरा 13.50 लाख, खोला 13.50 लाख, ढोंढ़रा 13.06 लाख, भाठापारा बे. रे. 13.50... लाख, भोथीडीह 13.50 लाख, मोहंदी 13.50 लाख, सिंगारभाटा 13.50... लाख और हसदा 13.50 लाख शामिल है।

शिक्षाविद् सिन्हा को डॉक्टरेट मानद उपाधि

छुरा। शिक्षा, कला, संस्कृति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में अपने बहुआयामी योगदान से विशिष्ट पहचान स्थापित करने वाले सेवानिवृत्त व्याख्याता, प्रख्यात लोकगीत गायक एवं अनुभवी नाड़ी वैद्य के. आर. सिन्हा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया है। एचीवर अवॉर्ड काउंसिल द्वारा उन्हें यह सम्मान उनके 43 वर्षों के उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य, निःस्वार्थ सेवा, सामाजिक उत्थान, परोपकार, रचनात्मक गतिविधियों एवं विशिष्ट कला कौशल के माध्यम से समाज को नई दिशा देने के लिए प्रदान किया गया। श्री सिन्हा ने अपने 43 वर्षों के गौरवशाली शिक्षकीय जीवन में गणित एवं वाणिज्य विषय के विशेषज्ञ के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रेडक्रॉस, इको क्लब एवं स्काउटिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक दायित्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में अनेक विद्यार्थियों ने स्काउटिंग के क्षेत्र में राज्यपाल एवं राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सेवा, संवेदना और समर्पण उनकी जीवन साधना के प्रमुख आधार रहे हैं। एक अनुभवी नाड़ी वैद्य के रूप में सिन्हा हजारों पीड़ितों की निःशुल्क एवं निःस्वार्थ सेवा कर चुके हैं। जरूरतमंदों की सहायता करना, पीड़ितों को राहत पहुँचाना और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना उनके जीवन का अभिन्न अंग रहा है। वे मानस मर्मज्ञ, जसगीत गायक, लोकगीतों के रचनाकार एवं गायक तथा सनातन संस्कृति के समर्पित संवाहक के रूप में भी जाने जाते हैं।



देवी दर्शन करने आएंगे विधायक रोहित आज

ग्राम फुलझर में महाष्टमी पर हवन-पूजन, आज कन्या पूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुईहा-बेलर

शारदीय नवरात्र पर ग्राम फुलझर में भक्तिमय वातावरण के बीच मां दुर्गा की आराधना की जा रही है। बजरंग चौक स्थित दुर्गा पूजा स्थल पर सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति एवं ग्राम समिति के तत्वावधान में नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। महाष्टमी के अवसर पर रविवार को पंडित पुष्कर तिवारी भागवताचार्य के सानिध्य में विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया। इस अवसर पर





ग्राम अध्यक्ष डिहु राम साहू,पूर्व सरपंच रूपेश कुंजाम, पूर्व सरपंच कंवल कुंजाम, ग्राम उपाध्यक्ष ईश्वर यादव, संरक्षक चैतू राम कुंजाम, पुरानिक ध्रुव, सुमिरन गिरी गोस्वामी पंडा, ग्राम बैगा मनोज ध्रुव, पुष्कर पंडा, गोपाल साहू, दिनेश ध्रुव, ग्राम पटेल तारण ध्रुव, कला राम साहू एवं सेवक भूपेंद्र तारक सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम फुलझर के बजरंग चौक स्थित दुर्गा पूजा स्थल पर सोमवार, 19 अक्टूबर को आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में राजिम विधायक रोहित साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत सभापति शिवांगी चतुर्वेदी करेंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच संतोष दिवान, उपसरपंच हेमलाल, पूर्व सरपंच रूपेश कुंजाम एवं तारण ध्रुव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। विधायक रोहित साहू मां दुर्गा के दर्शन करने के साथ ही नौ कन्या पूजन, संध्या वंदन महाआरती कार्यक्रम में शामिल होंगे। आयोजन को लेकर ग्रामवासियों एवं समिति के सदस्यों में उत्साह का माहौल है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हो रहे पटवारी इधर जनता राजस्व काम कराने हो रही परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

पटवारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर जिला पटवारी संघ गांधी मैदान गरियाबंद में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। इस आंदोलन के चलते राजस्व संबंधी कार्यों के लिए आम नागरिकों और किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच नगर पालिका परिषद गरियाबंद द्वारा आयोजित विकास कार्यों के भूमि पूजन कार्यक्रम में एक पटवारी की मौजूदगी ने एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। कार्यक्रम की तस्वीर में पटवारी की मौजूदगी सामने आने के बाद सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब पटवारी संघ अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है और आम जनता अपने जरूरी राजस्व कार्यों के लिए भटक रही है। तब संबंधित पटवारी की सार्वजनिक कार्यक्रमों में भागीदारी को किस नजरिए से देखा जाए? सवाल यह नहीं कि भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होना गलत है या सही, बल्कि सवाल यह है कि जब जनता के काम प्रभावित हो रहे हों, तब जनता के प्रति जवाबदेही और प्राथमिकताओं का भी ध्यान रखना चाहिए। लोगों ने मांग की है कि हड़ताल के दौरान जब कार्यक्रमों में पटवारी शामिल हो रहे हैं तो संघ उन्हें जनता का काम करने को भी कहे।

- पटवारी संघ की चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल

खबर संक्षेप



शक्ति की भक्ति में डूबे श्रद्धालु

छुरा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जय मां महामाया सेवा परिवार छुरा माता की सेवा, जसगीत गायन और भक्तिमय प्रस्तुतियों में पूरी श्रद्धा के साथ जुटा हुआ है। समिति के कोषाध्यक्ष राहुल नामदेव ने बताया कि अंचल के प्रख्यात जसगीत गायक डॉ. के.आर. सिन्हा उनके आदर्श हैं। समिति द्वारा हिंगलाज भवानी के प्राकट्य, हनुमान जन्मकथा, नंदी जन्म, माता के श्रृंगार, सती कथा, राम-रावण युद्ध, महिषासुर मर्दन, रक्तबीज वध, शुंभ-निशुंभ वध तथा कंकालीन माता की गाथा जैसे विविध धार्मिक प्रसंगों पर आधारित सेवा गीत प्रस्तुत किए जाते हैं। मुख्य गायक शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा के नेतृत्व में कोरस कलाकार राहुल नामदेव, डिगेश्वरी गोस्वामी, नंदकिशोर सिन्हा, खुमेश, छन्नू, जितेंद्र पाटकर, पार्थ राव पांडरे, मयंक, रौनक एवं हिमांशु अपनी स्वर साधना से सेवा को भावपूर्ण बनाते हैं। नाल वादन में भोजराज ध्रुव, लुकेश ध्रुव, प्रवीण सिन्हा, मोहन ध्रुव एवं गोकुल तथा मांदर वादन में सागर ध्रुव, नरेंद्र, राघव एवं गोविंद अपनी कला से प्रस्तुतियों में पारंपरिक लोकसंगीत की मधुरता भरते हैं। विशेष बात यह है कि बाल कलाकार गुंजन सिन्हा और योगिता सिन्हा भी अपने दादा की सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

टेंगनाबासा देवी मंदिर में जगमगा रहे 33 मनोकामना ज्योति



रसेला। ग्राम पंचायत टेंगनाबासा में शारदीय नवरात्र पर्व बड़े ही धूमधाम, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। गांव में 33 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए हैं, जो श्रद्धालुओं की अटूट आस्था और विश्वास का प्रतीक बने हुए हैं। नवरात्र पर्व को लेकर गांव में विशेष धार्मिक उत्साह देखने को मिल रहा है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली, शांति और उन्नति की कामना कर रहे हैं। मनोकामना ज्योति कलशों के साथ-साथ टेंगनाबासा में जंवारा भी बोया गया है।

रेत खदान खुलने के बाद भी रेट कम नहीं

धमतरी। रेत खदानों के खुलने के बाद भी रेट आसमान छू रहे हैं। सप्लायरों को पहले डंप से जिस रेट में रेत मिलती थी, खदान खुलने के बाद भी उसी रेट पर रेत मिल रही है। ऐसे में वे भी अधिक रेट में भवन निर्माताओं को रेत दे रहे हैं। शहर एवं आसपास के गांवों में भी यही स्थिति है। ट्रैक्टरों से भी रेत महंगी पड़ रही है। एनजीटी के नियम के अनुसार बारिश के चार माह 10 जून से 15 अक्टूबर तक रेत खदानों से डायरेक्ट रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। इस दौरान कई लोगों को डंप की अनुमति दी गई थी।

निधन

नीराबाई साहू

राजिम। नगर के वरिष्ठ नागरिक नीराबाई साहू उम्र 80 वर्ष का रविवार 18 अक्टूबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राजिम के मुक्तिधाम में किया गया। जिसमें परिवारजनों एवं समाज के लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वे मनोज साहू की माताजी, लोकेश साहू एवं देवेंद्र साहू की दादी तथा साहू समाज राजिम भक्तिन माता समिति के अध्यक्ष लाला साहू की बड़ी मां थी।

पर्व : बाल आनंद परिवार का स्वर्णिम दुर्गोत्सव

50 वर्षों से जल रही आस्था की अखंड ज्योति 56 भोग लगाकर की मां दुर्गा की आराधना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

नवापारा शहर के वार्ड क्रमांक 11 में शारदीय नवरात्र के अवसर पर भक्ति, आस्था और सामाजिक एकजुटता का अदभुत संगम देखने को मिल रहा है। यहां बाल आनंद परिवार द्वारा मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। इस वर्ष दुर्गा स्थापना का 50वां वर्ष है। पांच दशक से चली आ रही यह धार्मिक परंपरा अब केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि मोहल्ले की एकता, आपसी सदभाव और सामूहिक आस्था की पहचान बन चुकी है। मां के दरबार में 56 प्रकार के भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं ने अपनी अगाध श्रद्धा और भक्ति व्यक्त की।

- मोहल्ले की एकजुटता और सामाजिक समरसता बनी आकर्षण का केंद्र

पांच दशक की परंपरा, पीढ़ियों से जुड़ी आस्था- बाल आनंद परिवार द्वारा दुर्गोत्सव की स्थापना के 50 वर्ष पूरे होना अपने आप में विशेष महत्व रखता है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा ने मोहल्ले के लोगों को एक सूत्र में बांधकर रखा है। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और उत्सव को मिल-जुलकर मनाने की भावना आज भी उसी तरह कायम है। दुर्गोत्सव के दौरान मोहल्ले के लोग अपनी जिम्मेदारियां साझा करते हुए आयोजन को भव्य और व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करते हैं।



56 प्रकार के भोग से मां की आराधना, महाआरती में उमड़ती श्रद्धा- मां महादुर्गा को 56 प्रकार के भोग अर्पित कर भक्तों ने सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के साथ रात्रिकालीन महाआरती आयोजन का प्रमुख आकर्षण बनी हुई है। महाआरती के समय मोहल्लेवासी एक साथ मां के दरबार में पहुंचकर आरती में सहभागी बनते हैं। वातावरण भक्तिमय हो उठता है और मां के जयकारों के बीच श्रद्धालु परिवार, समाज और शहर के कल्याण की प्रार्थना करते हैं।

एकजुटता की मिसाल बना वार्ड क्रमांक 11- इस दुर्गोत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यहां दिखाई देने वाली सामूहिकता है। आयोजन में मोहल्ले के लोगों की सहभागिता और मिल-जुलकर पूजा करने की परंपरा सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है। यहां मां दुर्गा की आराधना के साथ आपसी प्रेम, सहयोग और सदभाव की भावना भी मजबूत होती दिखाई देती है। धार्मिक आयोजन के माध्यम से लोगों का एक मंच पर आना और सामूहिक रूप से उत्सव मनाना इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक एकता ही किसी भी परंपरा की वास्तविक ताकत होती है। बाल आनंद परिवार का यह स्वर्णिम दुर्गोत्सव वार्ड क्रमांक 11 की धार्मिक और सामाजिक पहचान को नई ऊंचाई दे रहा है। मां महादुर्गा के चरणों में श्रद्धा निवेदित करते हुए मोहल्लेवासी वार्ड सहित पूरे नवापारा शहर में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगल कामना कर रहे हैं। पांच दशक की यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आस्था, एकता और सामाजिक समरसता की प्रेरणा बनी रहेगी।



अष्टमी पर हुआ शीतला मंदिर में हवन व कन्या भोज

रसेला। सौभाग्य,धन संपदा, सौंदर्य और स्त्री जनित गुणों की अधिष्ठात्री देवी महागौरी है। साधक, शारदीय नवरात्र व्रत के आठवें दिन देवी के इसी रूप की पूजा करते हैं। शारदीय नवरात्र की अष्टमी तिथि दिन रविवार को रसेला के शीतला मंदिर में मां शीतला, मां दुर्गा, मां काली, महागौरी की विधिवत पूजा अर्चना कर पंडित के द्वारा मंत्रोचार के साथ समस्त श्रद्धालुओं से हवन यज्ञ संपन्न करवाया। गांव के समस्त महिला पुरुषों ने हवन कुंड में आहुतियां दी गई। तत्पश्चात कन्या भोज का कार्यक्रम किया गया। शारदीय नवरात्रि के आठवें दिन रविवार को देवी स्थलों पर माता की विशेष आरती हुई। शुभ मुहूर्त में हवन पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। हवन के पश्चात माता के नौ रूपों को 9 प्रतीक स्वरूप भोग लगाने के उद्देश्य से नौ कन्या भोज का आयोजन क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर हुआ। मान्यता है कि कन्या भोज कराने से जीवन में भय, विघ्न और शत्रुओ का नाश होता है और समाज में भी नारी शक्ति को सम्मान मिलता है। सभी 9 कन्याओं का सबसे पहले जल से उनके पैर धोए। फिर साफ आसन पर उन्हें बैठाया फिर बच्चों को खीर, पूड़ी, हलवा आदि सात्विक भोजन की थाली रखकर भोग लगाएं। पश्चात सबको श्रृंगार सामग्री चूड़ी, माला, बिंदी, नेलपालिश के साथ पैसे व श्रीफल देकर अंत में उनका आशीर्वाद लिया। जो लोग अष्टमी पर नौ कन्या भोज नहीं कर पाए वे नवमीं पर नौ कन्या भोज कराएंगे। कुछ परिवारों में अष्टमी पूजन की परंपरा तो कुछ परिवार नवमी के दिन हवन पूजन कर नौ दिन के व्रत पारण करते हैं। साथ ही रसेला के शीतला मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अष्टमी पर्व पर रसेला के व्यापारी संघ द्वारा भंडारे की प्रसादी भोजन कराया गया। इस मौके पर गांव के बैगा भागवत कोमर्रा, नाथूराम ठाकुर, प्रमुलाल कुंजाम, तामेश्वर मरकाम, ,धनेश्वर ठाकुर, रेखराम ध्रुव, जगदीश निर्मलकर,अमरू राम ठाकुर, राघवेन्द्र यादव,बिरेंद्र ठाकुर, नंदकिशोर यादव, देवलाल बारिक, रामायण ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे।

महाअष्टमी पर शीतला माता मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन







कोपरा। शारदीय नवरात्रि की महाअष्टमी पर नगर के शीतला माता मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विधि-विधान से हवन-पूजन संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हवन कुंड में आहुतियां अर्पित कर मां दुर्गा से सुख, समृद्धि, खुशहाली और परिवार की मंगलकामना की। नगर पुरोहित पंडित मेघानंद शुक्ला ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार हवन-पूजन संपन्न कराया। हवन के दौरान मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर गूंज उठा। नगर की धर्मप्रेमी महिलाएं, श्रद्धालु और माता के भक्त पूरे उत्साह एवं श्रद्धाभाव के साथ धार्मिक अनुष्ठान में शामिल हुए। शीतला माता मंदिर के नियमित पुजारी एवं पंडा गण ने भी पूजन कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। महाअष्टमी पर हवन-पूजन के साथ नवकन्या पूजन भी किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया गया। नवरात्रि के इस पावन पर्व पर शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने धार्मिक उल्लास को और बढ़ा दिया। भक्तों ने मां शीतला एवं मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करते हुए क्षेत्र में सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

रमई पाठ धाम में महाअष्टमी हवन-पूजन संपन्न विधायक साहू ने की सड़क चौड़ीकरण की घोषणा



मुड़ागांव (कोरासी)। गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड के अंतिम छोर पर ग्राम सोरिद खुर्द के समीप स्थित प्राचीन रमई पाठ धाम में 18 अक्टूबर को शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी के अवसर पर हवन-पूजन का कार्यक्रम विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ।

महाअष्टमी के पावन अवसर पर पुरोहित पंडित द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कराया गया। इसके पश्चात नौ कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया तथा श्रद्धालुओं ने कन्याओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तजन शामिल हुए। इस अवसर पर राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू भी रमई पाठ धाम पहुंचे। उन्होंने माता रमई पाठ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की तथा माता का आशीर्वाद लिया। जय मां रमई पाठ धाम सेवा समिति ने विधायक रोहित साहू के समक्ष सोरिद खुर्द अटल चौक से रमई पाठ धाम तक पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण की मांग रखी। समिति की मांग पर विधायक रोहित साहू ने सोरिद खुर्द अटल चौक से रमई पाठ धाम तक सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण कराने की घोषणा की। उन्होंने आगामी मार्च के बजट में इस कार्य को शामिल कर जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की बात कही। महाअष्टमी हवन-पूजन कार्यक्रम में जय मां रमई पाठ धाम सेवा समिति के सदस्यों, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस अवसर पर राजू साहू, अध्यक्ष फणिकेश्वर महाविद्यालय फिंगेश्वर, खड़मा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, जनपद सदस्य पुष्पलता सिन्हा, देवानंद सिन्हा, मनीराम यादव, हुलास साहू, गैदलाल पटेल एवं हेमंत सेन सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मां शीतला म्यूजिकल भजन संध्या ने दी चरौदा में प्रस्तुति

छुरा। मां शीतला म्यूजिकल भजन संध्या द्वारा इस नवरात्रि में भी लगातार 9 दिनों तक मां दुर्गा के दरबार में विभिन्न देवी स्थलों पर अपनी भजनों की प्रस्तुति एवं भावनृत्यों के माध्यम से भक्तों के सेवा कर रहे हैं। विदित हो कि मां शीतला म्यूजिकल भजन संध्या विगत 3 वर्षों से दोनों नवरात्रि में अपने भजनों और भावनृत्यों के माध्यम से कराओके भजनों के साथ देवी स्थलों शीतला मंदिरों में सेवा देते हाजरी लगा रहे हैं। नवरात्रि में प्रथम दिवस ग्राम परसुली द्वितीय दिवस फिंगेश्वर नगर तृतीय दिवस दरींपारा कोचबाय चौथे दिन ग्राम सिवनी पांचवें दिन शीतला मंदिर रसेला छठवें दिन नव जागृति दुर्गोत्सव मंच धवलपुर सातवें दिन ग्राम चरौदा और आठवें दिन विंध्यवासिनी चंडी मंदिर घुँवापाली के मां के दरबार पर अपनी मनमोहक प्रस्तुति के साथ माता की सेवागीत और संगीत के साथ सेवा करेंगे इस ग्रुप में मुख्य गायक के रूप में नेमीचंद यादव सहायक गायक के रूप में अमरनाथ साहू मुख्य गायिका कुमारी सिमरन कमार सहायक गायिका कुमारी यंजना साहू संचालक उद्घोषक के रूप में हीरालाल साहू मैनेजर के रूप में रुपेश कुमार शर्मा भाव पक्ष में अनीता कल्याणी नूतन हीना प्रतिभा गीतिका लतिका कविन्द्र आदि शामिल हो रहे हैं।



ग्राम देवगांव में माता काली की आराधना

छुईहा-बेलर। शारदीय नवरात्रपर ग्राम देवगांव में सरपंच डॉ. राजेन्द्र साहू एवं उनके परिवार द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार माता काली की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। रविवार को महाष्टमी पर हवन पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुए। नवमी को विसर्जन की शोभायात्रा निकाली जाएगी।

माता काली की आराधना के साथ ग्राम देवगांव, चरभट्ठी एवं आसपास के गांवों की जसगीत सेवा मंडलियां अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रही हैं। विगत दिनों छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष गिरीश देवांगन एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक चंद्राकर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने माता काली के दरबार में पहुंचकर दर्शन-लाभ लिया और पूजा-अर्चना की। प्रतिदिन पूजा-अर्चना, सेवा-सत्कार एवं आयोजन की व्यवस्थाओं में डॉ. राजेन्द्र साहू, लता बाई, पावस, तुमेश, ओम, मोनिका, मोक्षिता, लिलेश, अनुपमा, मनी, कन्हैया, टीकू, ईश्वर, भोज, हेमू, उदल, मनोज, नारायण, कामता, त्रिभुवन, उमाशंकर, घनश्याम, शोभित, माखन, सियाराम, अमीरलाल, मनहरण, लीलाराम, रूपेश एवं आकाश सहित समस्त साहू परिवार का सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही फिरंता, बेद, रोहित, संतु, खेलावन, बुधराम, ठाकुरराम, तमेश, देवशरण, बिसेसर, भोज, कुमाणु, कुमार, तेज, घनश्याम, सोनू, लिकेश, उमेश, दुकेश, रामदयाल, प्रेमसिंग, भीषम, सतीश, दौलत एवं लिलेश सहित समस्त ग्रामवासी देवगांव नवरात्र पर्व को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न कराने में जुटे हुए हैं।



अमितेश ने माता शीतला के दर्शन किए, रामजानकी मंदिर निर्माण के लिए 1 लाख 11 हजार देने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा



प्रथम पंचायत मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमितेश शुक्ल शुक्रवार को छुरा नगर की आराध्य देवी माँ शीतला के दरबार में दर्शन एवं पूजा-अर्चना करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राजिम विधानसभा सहित पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने अपने नाम से प्रज्वलित ज्योत तथा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नाम से प्रज्वलित ज्योत के दर्शन किए और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्तिमय वातावरण के बीच उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी माता शीतला के दर्शन किए। माता शीतला मंदिर में दर्शन के पश्चात अमितेश शुक्ल नगर में भव्य रूप से निर्माणाधीन रामजानकी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीराम एवं माता जानकी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से 1,11,101 रुपए (एक लाख ग्यारह हजार एक सौ एक रुपये) की राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्रीमती महेश्वरी शाह, अब्दुल समद खान, यशपेंद्र शाह, मंजू ध्रुव, पंचराम टंडन, नीलकंठ ठाकुर, सलीम मेमन, अशोक दीक्षित, हरीश यादव, रामजी दीवान, शांतनु देवांगन, दीप्ति यादव, श्वेता चंद्राकर,सोनू दीक्षित,शैलेन्द्र दीक्षित, रमेश चंद्राकर,मोनू दीक्षित,सहित मंदिर समिति के सदस्य गोपाल सोनी, मितेश दीक्षित, संत राम निर्मलकर, कोमल सोनी, कुमार ध्रुव, संतराम यादव एवं सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

तपती धूप में दंडवत यात्रा कर श्रद्धालु ने मां घटारानी के मंदिर में टेका मत्था



छुईहा-बेलर। मां घटारानी धाम में आस्था और भक्ति का अनूठा दृश्य देखने को मिला। ग्राम जमाही की 19 वर्षीय युवती जागृति ने अपनी मनोकामना को लेकर तपती धूप में करीब सात किलोमीटर तक दंडवत प्रणाम करते हुए कठिन तप यात्रा पूरी की और मां घटारानी के दरबार में पहुंचकर श्रद्धापूर्वक मत्था टेका। जागृति ने मां घटारानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए दंडवत प्रणाम की कठिन साधना का संकल्प लिया। करीब सात किलोमीटर की यात्रा पूरी कर धाम पहुंचने के बाद उसने मां के दर्शन कर अपनी यात्रा संपन्न की। साथ में सहयोगी में परिवार की राजेंद्र ध्रुव, अमर,खुशी,सेवती, चांदनी चल रहे थे।

विधायक रोहित पंडाल में टिन शेड निर्माण और चबूतरा निर्माण के लिए राशि देने की घोषणा

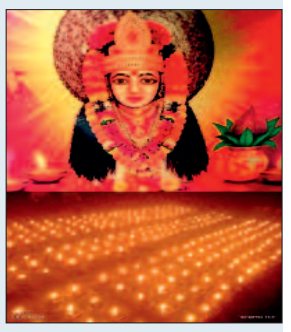
रानीपरतेवा में बालिकाओं ने माता दुर्गा को पहनाई सवा लाख नीम पत्तों की माला

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम रानीपरतेवा के आवासपारा में नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार शारदीय नवरात्र के अवसर पर माता दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नौ दिनों तक पारा-मोहल्ले के श्रद्धालुओं ने सुबह-शाम माता की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। नवरात्र के दौरान बालिकाओं ने माता दुर्गा को सवा लाख नीम के पत्तों से तैयार माला अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की। इस धार्मिक आयोजन में बालिकाओं ने माता से परिवार की सुख-समृद्धि, क्षेत्र में खुशहाली तथा उच्च शिक्षा की प्राप्ति के लिए प्रार्थना की। नीम के पत्तों से तैयार विशेष माला आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने भी माता दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने दुर्गा पंडाल का अवलोकन करते हुए आगामी वर्ष इसी स्थान पर टीन शेड निर्माण कराने की घोषणा की। साथ ही महिला स्व-सहायता समूह को चबूतरा निर्माण के लिए 10 हजार रुपये की राशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम में नव दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य अश्विनी विश्वकर्मा, हरिचंद, ओमशंकर, थनवार निषाद, तेजराम, पुनेश, देवशरण सहित समिति के अन्य सदस्य एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।



माँ जटियाई मंदिर में 350 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्जवलित

रसेला। ग्राम जटियातोरा स्थित माँ जटियाई मंदिर में 350 मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना की गई है। माँ जटियाई का पावन धाम रसेला से लगभग 7 किलोमीटर दूर ग्राम जटियातोरा में स्थित है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि यहाँ सच्चे मन से की गई मनोकामना को माँ जटियाई अवश्य पूर्ण करती हैं। यहाँ पंचमी एवं अष्टमी तिथि पर विशेष भंडारा और प्रसादी वितरण का आयोजन किया जाता है, पिछले तीन वर्ष से जनपद सदस्य एवं भाजपा मण्डल महामंत्री नारायण सिन्हा द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के नाम से भी ज्योति प्रज्वलित की जा रही है, ताकि उनके सुख, शांति और समृद्धि की कामना की जा सके। माँ जटियाई मंदिर में नवरात्रि के दिनों में सुबह से देर रात तक श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। भक्तगण माता के दरबार में नारियल, चुनरी, दीपक और प्रसाद अर्पित करते हुए अपनी मनोकामनाएँ रखते हैं।



शीतला माता मंदिर में महाष्टमी पर हवन-पूजन

गरियाबंद। नगर की आराध्य देवी मां शीतला माता मंदिर में शारदीय नवरात्र पर महाष्टमी को विधि-विधान के साथ हवन-पूजन किया गया। कन्या भोज का आयोजन भी किया गया। मां शीतला के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। नवरात्र के पहले दिन से ही मंदिर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। श्रद्धालु माता के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अपनी श्रद्धा और आस्था के साथ 505 जवारा-जोत प्रज्वलित किए गए हैं। इसी तरह नगर के गायत्री मंदिर, दुर्गा मंदिर, काली मंदिर सहित दुर्गा पंडाल में जोत प्रज्वलित किया गया है। मंदिर में पंचमी तिथि की दोपहर 2 बजे के बाद से ही महिलाएं मंदिर प्रांगण में प्रवेश करती है। महिलाएं माता के दर्शन कर पूजा-अर्चना करती हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करती हैं। महाष्टमी के अवसर पर मंदिर परिसर में हवन-पूजन और कन्या भोज के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना की। नवरात्र के दौरान मंदिर में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। नगर के अन्य माता मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भी महाष्टमी के अवसर पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जगह-जगह हवन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। नवमी तिथि पर मां शीतला माता मंदिर में जवारा विसर्जन किया जाएगा। इसके साथ ही नगर के अन्य मंदिरों में स्थापित जवारा-जोत का भी विधि-विधान से विसर्जन होगा। नवरात्र के अंतिम दिवस पर माता मंदिरों और दुर्गा पंडालों में भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे।





खबर संक्षेप

अतरमरा ने बासीन को 30 रनों से हराकर जीता फाइनल मुकाबला



कोपरा। ग्राम रवेली में नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रयास क्रिकेट क्लब एवं जेड स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित 10 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांचक समापन हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र की 32 टीमों ने हिस्सा लेकर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला अतरमरा और बासीन की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें अतरमरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रनों से जीत दर्ज कर फाइनल ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

फाइनल मुकाबले में अतरमरा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 84 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बासीन की टीम ने जीत के लिए भरपूर प्रयास किया, लेकिन निर्धारित 10 ओवर में 54 रन ही बना सकी। इस तरह अतरमरा ने 30 रनों से मुकाबला जीतकर प्रतियोगिता का खिताब हासिल किया। मैच के दौरान खिलाड़ियों के प्रदर्शन और रोमांचक मुकाबले ने दर्शकों में उत्साह बनाए रखा। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख अतिथि भाजयुमो जिलाध्यक्ष दीपक साहू, लोहरसी मंडी अध्यक्ष धनीराम साहू, ग्राम पंचायत भेंडरी की सरपंच तुलेश्वरी साहू, रवेली सरपंच दशोदा ध्रुव, उपसरपंच पुखराज साहू पूर्व सरपंच लालजी साहू एवं उरेन्द्र साहू सचिव श्रमजीवी पत्रकार संघ फिंगेश्वर के सहित अन्य जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक शामिल हुए। इसके अलावा पुष्पेंद्र साहू, समाजसेवी टीकमचंद साहू, शिक्षक संजय यादव, खिलेश्वर साहू, मिलाप साहू, टूकेश्वर प्रजापति, मुकेश निषाद और ताराचंद निषाद सहित अनेक लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबले में बासीन और अतरमरा की टीमों के खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। प्रयास क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

पेज 9 का शेष...

कांदाडोंगर देव...

साथ एकत्र होकर यहां विजयदशमी का पर्व धूमधाम से मनाया था। तब से आज तक कांदाडोंगर में दशहरा का पर्व धूमधाम के साथ मनाया जाता है। आदिवासी परंपरा अनुसार नवरात्र पर देवी देवताओं की पूजा अर्चना का शौर्य प्रदर्शन किया जाता है। वही कांदाडोंगर की पहाड़ी में कई स्थानों पर देवी -देवताओं का स्थल है, जहां क्षेत्र के लोग विशेष पूजा अर्चना करते हैं। सुप्रसिद्ध कांदाडोंगर अपने अपार प्रकृति के सौंदर्य से भरा है। चारों तरफ हराभरा अनूपम छटा से भरपूर अपने अंदर अपार संभावनाएं को समेटे हुए क्षेत्र के आधार स्तंभ की भांति सदियों से विराजमान हैं तो वहीं दूसरी ओर कांदाडोंगर में सैलानियों के लिए पर्यटन दृष्टिकोण से अद्वितीय शानदार मनोरम प्राकृतिक खुबसूरती बरबस ही लोगों को अपनी ओर खींच लाता है। कांदाडोंगर पहाड़ी मे कई रहस्यमय स्थल है जहां वर्षो पुराना शिला लेख भी हैं।

प्रसूता को समय पर नहीं मिली एम्बुलेंस, परिजनों ने खाट का लिया सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

3 किमी पैदल चले, जहां निजी कार चालक ने अस्पताल तक पहुंचाया

सरकार विशेष रूप से पिछड़ी जनजातियों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पीएम–जनमन जैसी योजनाएं चला रही है। लेकिन धरातल पर इन दावों की क्या हकीकत है, इसकी एक बानगी गरियाबंद जिले के मैनपुर विकासखंड के घुमरापदर अंतर्गत कमारपारा में देखने को मिली। यहां स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और लचर व्यवस्था ग्रामीणों की जिंदगी पर भारी पड़ रही है।

मामला प्रसव पीड़ा से तड़पती कमार जनजाति की महिला दूतिका का है। प्रसव पीड़ा शुरू होने पर परिजनों ने 102 एम्बुलेंस से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन समय पर एम्बुलेंस सुविधा नहीं मिल सकी। गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजनों और स्थानीय मितानिन ने हौसला दिखाया और गर्भवती महिला को एक खाट पर लिटाकर दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए करीब 3 किमी तक पैदल सफर किए।

परिजन किसी तरह महिला को नदी किनारे तक लेकर पहुंचे। वहां एक निजी अर्टिगा वाहन (कार) की मदद से तत्काल प्रसूता को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अमलीपदर ले जाया गया। स्वास्थ्य केंद्र अमलीपदर पहुंचने के बाद डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की देखरेख में महिला ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। फिलहाल जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित और खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।





प्रशासनिक दावों की खुली पोल

गरियाबंद जिले के आदिवासी विकासखंड मैनपुर अंतर्गत दूरस्थ वनांचलों बसे ग्रामों में आज भी कहीं मोबाइल टावर की कमी तो कहीं रास्तों की अभाव के चलते आपात स्थिति में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम पंचायत घुमरापदर का कमारपारा क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं और पक्की सड़कों के लिए तरस रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सामान्य दिनों में तो जैसे–तैसे गुजर–बसर हो जाता है, लेकिन प्रसव या गंभीर बीमारी जैसी आपातकालीन परिस्थितियों में गांव का यह संकट और भी भयावह हो जाता है। सरकारी दावों और योजनाओं के बीच इस घटना ने एक बार फिर प्रशासनिक दावों और स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोलकर रख दी है।

परेशानी : भूरा माहो और ब्लास्ट रोग से बढ़ा दवाइयों का खर्च

कम अवधि के धान की फसल पककर तैयार, दीपावली से पहले खरीदी नहीं होने पर किसानों की बढ़ेगी मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

जिले के परसूली, कोचवाय, कोसमी, बारबाहरा, झालखम्हार, मैनपुर और खरहरी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कम अवधि वाली धान की फसल पककर तैयार हो गई है। आईआर-1010 और आईआर-64 जैसी किस्मों की कटाई आने वाले दिनों में शुरू होने की संभावना है। इस वर्ष अच्छी बारिश के चलते खेतों में धान की फसल लहलहा रही है। किसानों को उम्मीद है कि दीपावली से पहले कम अवधि वाली किस्मों की कटाई पूरी हो जाएगी। इससे बाजार में भी रौनक बढ़ने की संभावना है। हालांकि, फसल में भूरा माहो और ब्लास्ट जैसे रोगों के प्रकोप ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। वहीं, दीपावली से पहले समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू नहीं होने की आशंका से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

- समर्थन मूल्य पर जल्द खरीदी शुरू करने की किसानों ने उठाई मांग

दवाइयों पर बढ़ा खर्च, त्योहार के लिए धान बेचने की मजबूरी- परसूली के किसान रामेश्वर यादव ने बताया कि इस वर्ष फसल अच्छी है, लेकिन धान में भूरा माहो और ब्लास्ट जैसी बीमारियों के प्रकोप के कारण कीटनाशक और दवाइयों पर अधिक खर्च करना पड़ा है। खेती की लागत पहले ही बढ़ चुकी है। अब दीपावली का त्योहार सामने है और घर-परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए पैसों की आवश्यकता है। ऐसे में यदि समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू नहीं होती है, तो किसानों को मजबूरी में स्थानीय दुकानदारों और कोचियों के हाथों कम कीमत पर धान बेचना पड़ सकता है।





किसानों को मिले बढ़ा हुआ समर्थन मूल्य

गोपाल साहू ने कहा कि देश में खाद्य सामग्री सहित लगभग हर चीज की कीमत बढ़ रही है, लेकिन किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पूरे देश के भोजन की चिंता करने वाला किसान आज भी आर्थिक तंगी से जूझने को मजबूर है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य में राज्य सरकार से अतिरिक्त राशि जोड़कर किसानों को लाभ देने की मांग की। किसानों का कहना है कि समय पर खरीदी शुरू होने और उपज का उचित मूल्य मिलने से ही खेती की बढ़ती लागत की भरपाई हो सकेगी तथा त्योहार के समय उन्हें आर्थिक राहत मिल पाएगी।

ओमश्री धान में भी रोग का प्रकोप

किसान गोपाल साहू ने बताया कि उन्होंने कम अवधि वाली ओमश्री धान की किस्म लगाई थी, लेकिन भूरा माहो के प्रकोप से फसल को नुकसान हुआ है। अब जो फसल बची है, उसे समेटने में लगे हैं। उपज का कुछ हिस्सा परिवार के उपयोग के लिए घर में रखेंगे। उन्होंने कहा कि खेती में लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिलने में परेशानी होती है। ऐसे हालात में धान की खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

पारागांव के पुराने नीलगिरी के पेड़ों की कटाई की हो निष्पक्ष जांच : धनेंद्र

नवापारा-राजिम। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने रायपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर नवापारा तहसील के अंतर्गत ग्राम पारागांव में शासकीय भूमि पर लगे हजारों की संख्या में पुराने नीलगिरी के पेड़ों की कटाई की शिकायत की, निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर पेड़ों की कटाई रुकवाई जाए, काटे गए पेड़ों की बिक्री की जांच की जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। श्री साहू ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि ग्राम पारागांव में खसरा नंबर 470 में 24 एकड़ 74 डिसमिल, 471 में 1 एकड़ 75 डिसमिल, 477 में 4 एकड़ 50 डिसमिल तथा 437 में 60 डिसमिल भूमि दर्ज है। इस प्रकार कुल 31 एकड़ 60 डिसमिल निजी भूमि है। इसके अतिरिक्त खसरा नंबर 469 में 9 एकड़ 25 डिसमिल, 472 में 4 एकड़ 12 डिसमिल, 474 में 87 डिसमिल, 475 में 87 डिसमिल, 476 में 20 डिसमिल तथा 478 में 9 एकड़ शासकीय भूमि दर्ज है। इस प्रकार कुल 24 एकड़ 31 डिसमिल शासकीय भूमि का उल्लेख किया गया है। लगभग 40 से 50 वर्ष पूर्व ग्राम पारागांव में मेसर्स हनुमान एग्रो प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा धान के पैरा से पुट्ठा एवं गद्दे बनाने की फैक्ट्री स्थापित की गई थी। कंपनी ने अपनी निजी भूमि पर लगभग 31 एकड़ 60 डिसमिल क्षेत्र में संयंत्र स्थापित किया था। चूंकि यह उद्योग अत्यधिक वायु एवं जल प्रदूषण उत्पन्न करने वाला था, इसलिए पर्यावरण नियंत्रण तथा फैक्ट्री से निकलने वाले गंदे एवं प्रदूषित पानी के निस्तारण के उद्देश्य से संयंत्र से लगी लगभग 50 एकड़ शासकीय भूमि कंपनी को अनुमानतः 99 वर्ष की लीज पर दिए जाने की जानकारी सामने आई है। उक्त शासकीय भूमि पर फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा हजारों की संख्या में नीलगिरी के पेड़ लगाए गए थे। ये पेड़ अब काफी बड़े और पुराने हो चुके थे तथा उनकी आयु लगभग 30 से 40 वर्ष या उससे अधिक बताई जा रही है। अपरिहार्य कारणों से लगभग एक वर्ष पूर्व कंपनी ने अपना उत्पादन बंद कर दिया था और कार्यरत कर्मचारियों एवं श्रमिकों को भी काम से मुक्त कर दिया था। इसके बाद फैक्ट्री को भूमि सहित किसी अन्य व्यक्ति अथवा कंपनी को बेच दिए जाने की जानकारी मिली है।



अमनपुर एसडीएम की अनुमति से कटाई: जनप्रतिनिधि- धनेन्द्र साहू ने पत्र में कहा है कि अब ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों से शिकायत प्राप्त हुई है कि उक्त शासकीय भूमि पर दशकों पूर्व लगाए गए हजारों नीलगिरी के पेड़ों की कटाई अमनपुर के एसडीएम से अनुमति प्राप्त कर कराई जा रही है। साथ ही भूमि का समतलीकरण भी किया जा रहा है। इन पेड़ों की बाजार कीमत कई करोड़ रुपये होने की संभावना है। ऐसे में यह आवश्यक है कि कटाई की अनुमति, पेड़ों के स्वामित्व, उनकी बिक्री और प्राप्त राशि के संबंध में पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए। मौके पर बड़े पैमाने पर कटे हुए पेड़ और उनके ठूंठ अभी भी दिखाई दे रहे हैं। श्री साहू बताया कि उन्होंने इस मामले की सूचना 16 अक्टूबर को शाम 6 बजे अमनपुर के एसडीएम को भी दे दी थी। हालांकि, उनकी सूचना पर अब तक क्या कार्रवाई की गई है, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

'शिक्षक' समाज की ताकत : रोहित

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

सम्मान से अभिभूत हुए शिक्षक, जताया आभार

नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम पचपेड़ी में धार्मिक आस्था, विकास और शिक्षा के सम्मान का संगम देखने को मिला। राजिम विधायक रोहित साहू जब गांव पहुंचे तो समूचे ग्रामवासियो ने हृदय से उनका स्वागत किया। इस दौरान विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर विकास को गति देने का संदेश दिया। उन्होंने ग्रामवासियों को नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए माता रानी से क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। विधायक के ओजस्वी संबोधन ने उपस्थित जनसमुदाय में उत्साह का संचार किया। विधायक रोहित साहू ने कहा कि नवरात्रि पर्व केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि शक्ति, श्रद्धा और सकारात्मक संकल्प का भी अवसर है। मां दुर्गा से प्रार्थना है कि ग्रामवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि आए, हर परिवार खुशहाल रहे, मानव जीवन का कल्याण हो और हर गांव निरंतर तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि जनकल्याण और क्षेत्र का विकास उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

- ग्राम पचपेड़ी में विधायक ने किया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण

शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान, शिक्षा के प्रति समर्पण को सराहा- कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ग्राम पचपेड़ी में पदस्थ राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान हुआ। विधायक रोहित साहू ने उन्हें प्रतीक चिह्न भेंटकर शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षक श्री शर्मा की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा देना, उन्हें संस्कारवान बनाना और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। विधायक श्री साहू ने कहा कि सुरेश शर्मा जैसे समर्पित शिक्षक अपना पूरा शिक्षकीय जीवन बच्चों को पढ़ाने, उनकी प्रतिभा निखारने और उन्हें बेहतर भविष्य की राह दिखाने में लगा दिए। उनका योगदान केवल विद्यालय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे समाज और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी वे संवारे है। ऐसे शिक्षक का सम्मान पूरे समाज के लिए गौरव की बात है।



विधायक के हाथों सम्मानित होने पर सुप्रसिद्ध मंच संचालक राज्यपाल पुरूस्कृत लोकप्रिय शिक्षक सुरेश शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राजिम क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक रोहित साहू के हाथों सम्मान प्राप्त करना उनके लिए गौरव और गर्व का विषय है। उन्होंने इस सम्मान के लिए विधायक के प्रति कृतज्ञता जताई तथा ग्रामवासियों का भी आभार व्यक्त किया। ग्राम पचपेड़ी में आयोजित इस कार्यक्रम ने विकास कार्यों के साथ शिक्षा के क्षेत्र में समर्पित व्यक्तित्व के सम्मान का संदेश भी दिया। एक ओर निर्माण कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण से गांव के विकास की उम्मीदें मजबूत हुईं, वहीं दूसरी ओर शिक्षक सुरेश शर्मा का सम्मान कर समाज निर्माण में शिक्षकों की भूमिका को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में नवरात्रि की धार्मिक आस्था के बीच जनकल्याण, विकास और शिक्षा के महत्व पर जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, साहू समाज के वरिष्ठ महेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।





खबर संक्षेप

मौली माता के दर्शन कर विधायक ने क्षेत्र की खुशहाली की कामना



फिंगेश्वर। शारदीय नवरात्र पर राजिम विधायक रोहित साहू नगर स्थित माँ मौली माता मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि–विधान से माता रानी की पूजा–अर्चना कर श्रद्धापूर्वक शीश नवाया। एवं क्षेत्र की सुख–समृद्धि,खुशहाली और जनकल्याण की कामना की।
विधायक ने मंदिर परिसर स्थित ज्योत कक्ष में पहुंचकर अपने द्वारा प्रज्ज्वलित मनोकामना ज्योत के दर्शन किए।
मंदिर परिसर में आगमन पर माँ मौली माता मंदिर ट्रस्ट समिति के सरवराकार राजा निलेन्द्र बहादुर सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष धनराज सूर्यवंशी,ओमप्रकाश बंछोर एवं कमलेश यदु ने विधायक रोहित साहू का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। मंदिर समिति के सदस्यों ने उन्हें आगामी 24 अक्टूबर को आयोजित होने वाले भव्य राजा दशहरा महोत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। राजा दशहरा फिंगेश्वर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है, जिसमें क्षेत्र के लोगों की विशेष भागीदारी रहती है। उन्होंने सोसायटी प्रांगण में विराजित दुर्गा माता के दरबार में पहुंचकर पूजा–अर्चना की तथा माता का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष जगदीश यदु,फणिकेश्वरनाथ महाविद्यालय के अध्यक्ष राजू साहू, सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष हरीश साहू, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष उत्तम राजवंशी,पार्षद शांति कोसरे,एल्डरमैन संतोषी श्रीवास्तव,लक्ष्मी श्रीवास्तव, भुनेश्वरी साहू,अंजलि देवकर,वीणा निषाद,किशोर साहू, राधेश्याम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खड़मा में आज होगा मां दुर्गा जस झांकी कार्यक्रम

मुड़ागांव (कोरासी)। ग्राम खड़मा में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा शारदीय नवरात्र पर 19 अक्टूबर को रात्रिकालीन जस झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम गांधी चौक स्थित दुर्गा मंच पर आयोजित होगा। कार्यक्रम में ग्राम गोस्मरा, जिला बेमेतरा के जय मां सिद्धि बघवा जस झांकी परिवार द्वारा माता रानी की भक्ति से ओतप्रोत जस गीतों एवं आकर्षक झांकी की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन को लेकर ग्रामवासियों में उत्साह का माहौल है। नव दुर्गा उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

पंडालों में पहुंचकर तुषार ने की की पूजा-अर्चना

महासमुंद। नवरात्रि पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशवंत तुषार साहू ने ग्राम परसट्टी, बम्हनी, चिंगरौद, नांदगांव, मुढ़ेना, लाफिनखुर्द एवं बरोंडाबाजार के विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों में पहुँचकर माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना की तथा माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं खुशहाली की कामना की। साहू ने प्रार्थना की कि मां दुर्गा की कृपा सभी क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे तथा प्रत्येक परिवार में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो।
बेमचा खल्लारी हवन पूजन आज महासमुंद। क्वांर नवरात्र महोत्सव पर मूल खल्लारी सिद्ध शक्ति पीठ मां खल्लारी मंदिर बेमचा में हवन अनुष्ठान 19 अक्टूबर रविवार संध्या 5 बजे होगा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी रविकांत चंद्राकर ने दी है।

भालूचुंवा घुंचापाली में 20 को कबड्डी प्रतियोगिता

बागबाहरा। स्व सतीश ठाकुर की स्मृति में ग्रामीण कबड्डी प्रतियोगिता ग्राम भालूचुंवा घुंचापाली में 20 अक्टूबर से होगी। इसमें प्रथम पुरस्कार 10 हजार, द्वितीय 7 हजार, तृतीय 5 हजार, चतुर्थ पुरस्कार 3 हजार रुपए रखा गया है।
प्रतियोगिता में बेस्ट रेडर, बेस्ट केचर, बेस्ट बुलाकर, बेस्ट अराउंड में भी पुरस्कार रखा गया है।

पर्व : दो किलोमीटर दूर तक गूंजती है घंटी की ध्वनि

बीहड़ जंगल-पहाड़ों के बीच विराजमान खोपलीपाट देवी, विशाल चट्टान से आती है घंटी की आवाज



तेजराम ध्रुव ⏭ मुड़ागांव(कोरासी)

गरियाबंद जिले के वनांचल क्षेत्र में स्थित खोपलीपाठ देवी बीहड़ जंगल, पहाड़ और प्राकृतिक कंदराओं के बीच स्थित गुफा में विराजमान हैं। चारों ओर फैली हरियाली और पहाड़ी वातावरण इस स्थल की प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ा देता है। खोपलीपाठ की सबसे खास पहचान यहां स्थित विशालकाय पत्थर की घंटी है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस घंटी की आवाज करीब दो किलोमीटर तक सुनाई देती है।

श्रद्धालु यहां पहुंचकर देवी के दर्शन करते हैं और अपनी मनोकामना पूर्ण होने की श्रद्धा एवं विश्वास के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक वातावरण यहां आने वाले लोगों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। खासकर नवरात्रि में भक्तों की भीड़ बढ़ जाती है। स्थानीय मान्यता में इस स्थल को आस्था और विश्वास का केंद्र माना जाता है। यहां आने वाले श्रद्धालु कहते हैं कि वास्तविक सौंदर्य हृदय की पवित्रता में है, इसलिए मन की श्रद्धा के साथ देवी के दर्शन और पूजा का विशेष महत्व है।

अमलोर, भैरा, झबलीबाहरा, नवापारा, मुड़ागांव, पाटसिवनी, जामली, परसदास खुर्द, पिपरहट्टा, देवगांव, बोड़राबांधा, खुड़ियाडीह, बिरनीबाहरा, बीजापाल, कुड़ेमा और नागिनबाहरा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग यहां धार्मिक आस्था के साथ पहुंचते हैं।

बीहड़ वन क्षेत्र के बीच स्थित यह स्थल धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण संभावनाएं रखता है। यदि यहां पहुंच मार्ग, मूलभूत सुविधाओं और स्थल के संरक्षण की दिशा में ध्यान दिया जाए तो खोपलीपाठ क्षेत्र को स्थानीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है।

राजिम में गुप्ता समाज के प्रथम गरबा महोत्सव में झूमी मातृशक्तियां

राजिम। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर धर्मनगरी राजिम में भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। राधा-कृष्ण मंदिर में राधा-कृष्ण महिला मंडल, गुप्ता समाज राजिम के तत्वावधान में दो दिवसीय गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। गुप्ता समाज के इतिहास में पहली बार आयोजित इस गरबा महोत्सव में मातृशक्ति ने पारंपरिक गरबा-डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। आयोजन के माध्यम से जहां नवरात्रि की धार्मिक परंपराओं को उत्साहपूर्वक मनाया गया, वहीं समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की 25 से अधिक माताओं-बहनों ने पारंपरिक लाल परिधानों में सुसज्जित होकर गरबा और डांडिया की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। तालबद्ध कदमों, पारंपरिक नृत्य शैली और भक्ति संगीत के बीच महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और



आकर्षक फूलों से सजाया गया था। माता के भजनों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। गरबा महोत्सव में शामिल महिलाओं ने नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा के प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति प्रकट की। महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता गुप्ता ने बताया कि राजिम में गुप्ता समाज द्वारा पहली बार इस तरह के गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और पारंपरिक लोकनृत्यों से जोड़ना है। साथ ही, समाज की महिलाओं को एक साझा मंच प्रदान कर आपसी मेल-मिलाप, सहयोग और एकता की भावना को मजबूत करना भी आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन समाज में नई ऊर्जा का संचार करते हैं और नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
गरबा महोत्सव में गुप्ता समाज के पूर्व प्रदेश राजकुमार अध्यक्ष, संरक्षक रामानुज गुप्ता समाज अध्यक्ष खिलेशकुमार गुप्ता सचिव, सागर गुप्ता सहसचिव, आशुतोष गुप्ता कोषाध्यक्ष, प्रशांत गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा साथी और बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। सभी ने महिला मंडल की इस पहल की सराहना करते हुए आयोजन को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। दो दिवसीय गरबा महोत्सव का समापन पर गरबा नृत्य और महाआरती के साथ किया गया। इस आयोजन ने राजिम में नवरात्रि उत्सव की रौनक बढ़ाने के साथ ही समाज में सांस्कृतिक चेतना, धार्मिक आस्था और आपसी एकजुटता का संदेश दिया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, संरक्षक राजकुमार गुप्ता, संरक्षक रामानुज मुकेश गुप्ता, नवीन गुप्ता, सुनील गुप्ता, संतोष गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, पीयूष आशीष गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, रविशंकर गुप्ता, प्रखर गुप्ता, राजू गुप्ता, अमित गुप्ता, अभिनव गुप्ता, सोनू गुप्ता, गोलू गुप्ता,महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता गुप्ता ,भावना गुप्ता, गीता गुप्ता, सुनीता गुप्ता, नेहा, ज्योति गुप्ता, अनीता गुप्ता ,संतोषी गुप्ता सहित काफी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

परसदाकला क्षेत्र में दुर्गोत्सव...



छुईहा बेलर। चैतरा



परसदाकला



बेलर

नवापारा में गरबा महोत्सव की धूम

नवापारा-राजिम। अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित तीन दिवसीय गरबा महोत्सव नगर के श्रीराधाकृष्णा मंदिर में बड़े ही धूम धाम से संपन्न हुआ। भक्ति एवं शक्ति के महापर्व नवरात्री के पावन अवसर पर गरबा महोत्सव के आयोजन से सम्पूर्ण नगरवासी रोमांचित एवं आनंदित हुए एवं इस गरिमामय आयोजन में बढ़ चढ़ कर अपनी उपस्थिति दर्ज की। गरबा महोत्सव के दौरान छोटे बच्चे से लेकर बड़े प्रतिदिन अलग अलग थीम के अनुसार पारंपरिक एवं आधुनिक वेश भूषा में शामिल हुए जिससे इस रंगारंग आयोजन में चार चाँद लग गए। मंडल द्वारा प्रतिदिन विभिन्न आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये गए जिसमें गरबा प्रिंस, गरबा प्रिंसेस, गरबा किंग, गरबा क्वीन, बेस्ट कपल, बेस्ट ग्रुप परफॉरमेंस प्रमुख है। अग्रवाल नवयुवक मंडल के प्रवक्ता ने बताया कि प्रतिदिन गरबा महोत्सव की शुरूआत माँ जगदम्बा भवानी की आरती के साथ होती है एवं अखंड दीप प्रज्वलित किया जाता है जो मानव शरीर में मौजूद आत्मा और दिव्य प्रकाश का प्रतीक है। गरबा शब्द का अर्थ सृजन या माता का गर्भ होता है और गरबा नृत्य जीवन, जन्म और पुनर्जन्म का प्रतीक माना जाता है है। एवं नर्तक जब गोल घेरे में घूमकर तालियों की थाप और पारंपरिक गीतों के साथ नृत्य करते है तो यह घेरा ब्रह्माण्ड की गोलाकार गति को दर्शाता है। साथ ही यह नृत्य स्त्री ऊर्जा, प्रजनन क्षमता एवं माँ जगदम्बा भवानी के अनेक रूपों का जश्न मनाता है। नगर के सभी समाज के लोगो को इस महापर्व में शामिल करने की योजना भगवान श्री अग्रसेन जी की शुद्ध समाजवाद की भावना से प्रेरित है।



दुर्गा पंडालों एवं मंदिरों में कन्या भोज और हवन पूजन

नवापारा-राजिम। नवापारा अंचल में 11 अक्टूबर से शुरू हूई क्वार नवरात्रि कन्या भोज और हवन पूजन के साथ अपनी अंतिम बेला की ओर अग्रसर है। सभी दुर्गा पंडालों एवं मंदिरों में मां जगत जननी के सामने बने अग्निकुंड प्रज्वलित हो रही है। वहीं चारों ओर बैठे मोहल्लेवासी महाराज के द्वारा जैसे ही स्वाहा बोले वैसे ही पंडाल के नीचे बैठे माता के भक्तों द्वारा अग्निकुंड में चावल, गुड़, जंवा ,घी के मिश्रण से बने सांखला को हाथों की उंगलियों में लेकर अग्नि कुंड में अर्पित करते हुए अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना करते हुए दिखाई दिए। हवन पूजन के बाद कन्या भोज भी कराया गया। इसी के साथ ही जगत जननी को अंतिम विदाई देने के लिए दुर्गा समिति तैयारी में लग गए हैं। 19 अक्टूबर दुर्गा नवमी पर पंडालों में विराजित मां जगत जननी नवापारा में स्थित शीतल तालाब में विसर्जित होगा। इसी के साथ क्वार नवरात्रि की समापन होगी।





शिक्षक नगर की महाआरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, मां दुर्गा के जयकारों से गूंजा पंडाल

गरियाबंद। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर गरियाबंद के शिक्षक नगर में भक्ति और आस्था का अनुपम दृश्य देखने को मिला। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के 25वें वर्ष के आयोजन के अंतर्गत 16 अक्टूबर, षष्ठी तिथि पर शाम 7:30 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। मां दुर्गा की आराधना के लिए बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी पहुंचे। जय माता दी के जयकारों और आरती की गूंज से पूरा पूजा पंडाल भक्तिमय हो उठा।

महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की आराधना की और परिवार सहित क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। आकर्षक सजावट, रोशनी से जगमगाता पंडाल और मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। महाआरती के दौरान उमड़ी भीड़ ने नवरात्रि के प्रति लोगों की गहरी आस्था और उत्साह को दर्शाया।

शिक्षक नगर की सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति का नवरात्रि आयोजन हर वर्ष क्षेत्रवासियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहता है। पंडाल की भव्य सजावट, आकर्षक विद्युत रोशनी और मां दुर्गा की सुंदर प्रतिमा के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। समिति द्वारा नवरात्रि के दौरान धार्मिक



एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से क्षेत्र में उत्सव और भक्ति का माहौल बनाया जाता है। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति, शिक्षक नगर के सदस्य धीरू तिवारी ने बताया कि समिति इस वर्ष नवरात्रि उत्सव का 25वां वर्ष मना रही है। इसी क्रम में षष्ठी तिथि पर शाम 7:30 बजे भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में मोहल्लेवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सार्वजनिक नवदुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष जीवन एस साहू ने कहा कि मां दुर्गा की आराधना और सेवा से बढ़कर कुछ नहीं है। शिक्षक नगर में पूरा मोहल्ला एक परिवार की तरह मिल-जुलकर काम करता है। आरती से लेकर मां दुर्गा के प्रत्येक धार्मिक कार्य तक मोहल्लेवासी एकजुट होकर अपनी सहभागिता निभाते हैं। यही सामूहिक भावना इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता है। जीवन साहू ने बताया कि वर्ष 2003 से लेकर अब तक समिति द्वारा हर साल कुछ नया और बेहतर करने का प्रयास किया जाता रहा है। प्रत्येक वर्ष धार्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ आयोजन को और आकर्षक बनाने की कोशिश की जाती है। मां दुर्गा की आराधना, भव्य महाआरती और श्रद्धालुओं की सहभागिता से शिक्षक नगर का नवरात्रि उत्सव एक बार फिर भक्ति, सामाजिक एकता और धार्मिक परंपरा का सुंदर उदाहरण बनकर सामने आया।

गरबा में झूमे रोहित साहू, टिन शेड निर्माण की घोषणा की

गरियाबंद। नवरात्रि के पावन अवसर पर निषाद समाज भवन मजरकट्टा में गुजराती समाज गरियाबंद द्वारा 68 वर्षों से चली आ रही पारंपरिक रास गरबा परंपरा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजिम विधायक श्री रोहित साहू शामिल हुए और समाजजनों के साथ गरबा नृत्य कर उत्सव की खुशियां साझा कीं। विधायक श्री रोहित साहू सहित भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने भी गरबा खेलते हुए उत्सव के रंग में डूबकर आयोजन की रौनक बढ़ाई। सभी ने समाजजनों के साथ ताल से ताल मिलाकर पारंपरिक गरबा का आनंद लिया। इस अवसर पर विधायक श्री रोहित साहू ने समाज की मांग पर आयोजन स्थल में टीन शेड निर्माण की घोषणा की। साथ ही आश्वस्त किया कि समाज को जिन-जिन मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता है, उन्हें भी पूरा करने के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। इस घोषणा से समाजजनों में खुशी का माहौल रहा। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अनिल चंद्राकर ने 68 वर्षों से चली आ रही इस सांस्कृतिक परंपरा की सराहना की। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष श्री रिखी राम यादव ने शहर के मध्य समाज के लिए उपयुक्त स्थान तलाशने और आवश्यक सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री आशीष शर्मा, कोषाध्यक्ष अजय रोहणा, जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, राधेश्याम सोनवानी, वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद सूरज सिन्हा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाजजन उपस्थित रहे। समाज की ओर से संजय वखरिया नितिन बखरिया, अमित



ठक्कर प्रकाश सरवैया हिमांशु संघाणी दिनेश मायानी मयूर वखरिया निखिल बखरिया वैभव ठक्कर रेखा वखरिया भावना ठक्क नैना सरवैया कल्पना वखरिया रीता वखरिया और नूतन संघाणी सहित सदस्यों ने आयोजन में सहभागिता निभाई। युवतियां देवी के विभिन्न स्वरूपों में सजीं और महिलाओं ने पारंपरिक गुजराती परिधान में पूजा-अर्चना एवं आरती की। गुजराती समाज अध्यक्ष श्री अमित बखरिया ने विधायक रोहित साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर और नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों ने समाज की मांगों को गंभीरता से सुना और सहयोग का भरोसा दिया। कार्यक्रम का संचालन दीपक सरवैया ने किया तथा आभार प्रदर्शन भारत वखरिया ने किया।

10 किमी रैली निकालकर दिया सेवा और स्वच्छता का संदेश

फणिकेश्वर नाथ महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने निकाली जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ फिंगेश्वर

मानवता की सेवा, स्वस्थ युवा एवं जागरूक समाज के संकल्प के साथ फणिकेश्वर नाथ शासकीय महाविद्यालय, फिंगेश्वर की इंडियन यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम सह 10 किलोमीटर की पैदल जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में 65 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में सेवाभाव,स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। रैली का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर से हुआ। स्वयंसेवक माँ मौली मंदिर परिसर, राजा तालाब, बाबा फणिकेश्वर नाथ



मंदिर परिसर एवं बस स्टैंड क्षेत्र से होते हुए पुनः महाविद्यालय परिसर पहुँचे।इस दौरान स्वयंसेवकों ने प्रेरक नारों,छत्तीसगढ़ की लोकसांस्कृति पर आधारित सुवा नृत्य,गरबा नृत्य एवं लोक नाट्य के माध्यम से स्थानीय समुदायों को मानवता की सेवा,स्वच्छता,स्वस्थ जीवनशैली एवं सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया।
सांस्कृति प्रस्तुतियों के माध्यम से आम नागरिकों को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक रहने तथा जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया।इंडियन यूथ रेडक्रॉस अधिकारी डॉ. देवादास बंजारे ने स्वयंसेवकों को रेडक्रॉस के सात मूलभूत सिद्धांतों—मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा,एकता एवं सार्वभौमिकता की जानकारी दी। उन्होंने इन सिद्धांतों को अपने जीवन एवं सेवा कार्यों में आत्मसात कर इनके अनुरूप कार्य करने का आह्वान किया। इसके साथ ही युवाओं को मानवीय मूल्यों के संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता तथा समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ का सहयोग रहा।

